Moderate Phase of Congress (1885 – 1905)

Indian National Congress

Viceroy: Lord Dufferin | Year → 1885

Founder: Allen Octavian Hume

→ Dada Bhai Nairojee, Dinshaw Edulchiwacha

Venue: Bombay

Year	venue	President
1885	Bombay	W. C. Banerjee
1886	Calcutta	Dada Bhai Nairojee
1887	Madras	Badrudalin Taiyabji
1888	Allahabad	George Yule

1st English

1st Muslim

* Lord Landsdown (1888-94) } Indian Council Act 1892 (नई काउंसिल में भारतियों को अप्रत्यक्ष रूप से चुना जाएगा)

* Lord Elgin II (1894-99) } 1st Political Murder राजनीतिक हत्या by चापेकर बंधु के द्वारा

Ramkrishna Damodar

* Lord Curzon
(1899-1905)

16 Oct 1905

1905
↓
Bengal Partition
बंगाल का विभाजन

* S.N. Banerjee called up a meeting in कलकत्ता (Town Hall)
* SWADESI MOVEMENT
* 16 Oct 1905 (रक्षाबंधन दिवस)

1906

* Muslim league
* By: Aga Khan, Salimullah Khan
* Venue: Dhaka
* H/Q: Lucknow

Battle

✓ Plassey

✓ Buxar

Gov. Gen & Viceroy

❖ Background

- The first phase of the National Movement (1885 – 1905) is known as the Moderate Phase..
- Led by Western – educated, middle class Indians inspired by liberalism, rationalism, and constitutional methods.
- Believed in British sense of justice and expected reforms through petitions and dialogue.

- राष्ट्रीय आंदोलन का प्रथम दौर (1885 – 1905) उदारवादी चरण कहलाता है।
- पश्चिमी शिक्षा प्राप्त, उदारवाद, तर्कवाद और संवैधानिक तरीकों से प्रेरित मध्यमवर्गीय भारतीयों द्वारा नेतृत्व किया गया।
- ब्रिटिश न्याय में आस्था रखते थे और याचिकाओं और संवाद के माध्यम से सुधारों की अपेक्षा करते थे।

❖ Prominent Leaders

- Dadabhai Naoroji – Grand Old Man of India; Drain of wealth Theory. / दादाभाई नौरोजी – भारत के ग्रैंड ओल्ड मैन; ड्रेन ऑफ़ वेल्थ थ्योरी।
- Gopal Krishna Gokhale – Moderate statesman; founded the Servants of India Society. / गोपाल कृष्ण गोखले - एक नरमपंथी राजनेता थे और उन्होंने सर्वेंट्स ऑफ इंडिया सोसाइटी की नींव रखी।
- Pherozshah Mehta – known as the Lion of Bombay. फिरोजशाह मेहता, बॉम्बे के शेर के रूप में जाने जाते हैं।
- W.C. Bannerjee
- Badruddin Taybji
- Surendranath Bannerjee
- M. G. Ranade

Surendranath Banerjee

Dadabhai Naoroji

Gopal krishan Gokhale

W C Banerjee

Pheroz Shah Mehta

❖ Moderate Tactics:

- Constitutional Agitation (संवैधानिक आंदोलन)
- Educate people (लोगों को शिक्षित करना)
- Presentation of demand (मांग पेश करना)
- Prayer, petition and protest (प्रार्थना, याचिका और विरोध) (3Ps)
- Press and Publication (प्रेस और प्रकाशन)
- International Forums: Moderates promoted the Indian cause abroad (अंतर्राष्ट्रीय मंच: उदारवादियों ने विदेशों में भारतीय मुद्दे को बढ़ावा दिया)

Lord Minto (1906-10)

Moderate Phase Nationalist Demands

Political Demands :

- Wider legislative councils with elected Indian members.
- Indianisation of civil services (ICS exam held in India)
- Separation of judiciary and executive
- Repeal of repressive acts.

Political Demands :

- चुने हुए भारतीय सदस्यों के साथ बड़ी विधान परिषदें बनाना।
- सिविल सेवा (ICS) को भारतीयों के लिए आसान बनाना — यानी परीक्षा भारत में करवाना।
- न्यायपालिका और कार्यपालिका को अलग-अलग काम करने देना।
- दमनकारी कानूनों को खत्म करना

Economic Demands (आर्थिक मांगें):

1. Reduction in land revenue. (भू-राजस्व (Land Revenue) में कमी।)

2.Opposition to salt tax, cotton duties, and excess military expenditure.

(नमक कर, कपास शुल्क तथा अत्यधिक सैन्य व्यय का विरोध।)

3. Highlighted poverty caused by colonial policies – Drain of Wealth Theory.

(औपनिवेशिक नीतियों से उत्पन्न गरीबी पर प्रकाश डालना – धन-निष्कर्षण सिद्धांत

Administrative Reforms :

1. Better policing, reduced bureaucracy.(बेहतर पुलिस व्यवस्था, कम नौकरशाही।)

2. protection of civil rights and liberties. (नागरिक अधिकारों और स्वतंत्रताओं की सुरक्षा।)

Achievements of Moderates

- Created a national consciousness among Indians.
  भारतीयों में राष्ट्रीय चेतना पैदा की।
- Exposed the economic exploitation by the British.
  अंग्रेजों के आर्थिक शोषण का पर्दाफाश किया।
- Trained Indian masses in political work.
  भारतीय जनता को राजनीतिक कामों में ट्रेनिंग दी।
- Influenced several reforms / कई सुधारों पर असर डाला:
  - Indian Council Act 1892 / इंडियन काउंसिल एक्ट 1892
  - Gradual expansion of legislative councils
    विधान परिषद का धीरे-धीरे विस्तार
- Provided the base for assertive nationalism.
  दृढ़ राष्ट्रवाद के लिए आधार दिया।

Criticism of Moderates

- Over – faith in British justice. (ब्रिटिश न्याय में बहुत ज़्यादा विश्वास।)
- Limited to elite middle – class; lacked mass participation. / सिर्फ़ एलीट मिडिल क्लास तक सीमित; बड़े लोगों की भागीदारी की कमी।
- Their methods were slow and less effective in achieving major goals. / बड़े लक्ष्य पाने में उनके तरीके धीमे और कम प्रभावी थे।
- Extremist called them "political beggars".
  कट्टरपंथियों ने उन्हें "पॉलिटिकल भिखारी" कहा।

End of Moderate Phase

1907

- By 1905, dissatisfaction grew due to:
  1905 तक, नाराज़गी इन वजहों से बढ़ी:
- Slow reforms / धीमे सुधार
- Economic distress / आर्थिक तंगी
- Partition of Bengal (1905) / बंगाल का बँटवारा (1905)
- This led to the rise of Extremist leader like Lal-Bal-Pal and began the Extremist Phase (1905 – 1919). / इससे लाल-बाल-पाल जैसे चरमपंथी नेता उभरे और चरमपंथी चरण (1905 – 1919) शुरू हुआ।

Extremist Phase of Congress (1905 – 1919)

Growth of Militant Nationalism / उग्र राष्ट्रवाद का विकास::

- **Political radicalism:**
  The Extremists believed in the ideas of 'Swadharma' and 'Swaraj', which according to them, were the nationalist ideas giving rise to the Revolt of 1857. / चरमपंथी 'स्वधर्म' और 'स्वराज' के विचारों में विश्वास करते थे, जो उनके अनुसार, 1857 के विद्रोह को जन्म देने वाले राष्ट्रवादी विचार थे।
- **Famines in India : severe famines killed 90 lakh persons between 1896 and 1900. Bubonic plague affected larger areas of the Deccan. /** भारत में अकाल: 1896 और 1900 के बीच गंभीर अकालों ने 90 लाख लोगों की जान ले ली। ब्यूबोनिक प्लेग ने दक्कन के बड़े हिस्सों को प्रभावित किया।

Extremist Phase of Congress (1905 – 1919)

- **Growth of confidence and Self – Respect :** There was a growing faith in self – effort. / आत्मविश्वास और आत्म-सम्मान में बढ़ोतरी: खुद की कोशिशों पर भरोसा बढ़ रहा था।
- Tilak, Aurobindo and Bipin Chandra Pal repeatedly urged the nationalists to rely on the character and capacities of the Indian people. / तिलक, अरबिंदो और बिपिन चंद्र पाल ने बार-बार राष्ट्रवादियों से भारतीय लोगों के चरित्र और क्षमताओं पर भरोसा करने की अपील की।

- **Reactionary policies of Curzon :**
- **Lord Curzon implemented several contentious policies to curb nationalism in India, such as the Passing of the Indian Official Secrets Act, Calcutta Corporation Act, and Indian Universities Act.**
  लॉर्ड कर्जन ने भारत में राष्ट्रवाद पर अंकुश लगाने के लिए कई विवादास्पद नीतियाँ लागू कीं, जैसे भारतीय आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम, कलकत्ता निगम अधिनियम और भारतीय विश्वविद्यालय अधिनियम पारित करना।
- **These acts and the Partition of Bengal infuriated the nationalists.**
  इन कामों और बंगाल के बंटवारे से राष्ट्रवादी भड़क गए।

- **Emergence of a Trained Leadership.** / • प्रशिक्षित (ट्रेंड) नेतृत्व का उदय।
- **Existence of a Militant School of Thought** / एक उग्र/आक्रामक विचारधारा का मौजूद होना।
- **Dissatisfaction with Achievements of Moderates**
  मॉडरेट नेताओं की उपलब्धियों से असंतोष होना।

International Influence:

- Certain events occurring outside India also inspired the Indians to rise against the imperialist forces. These were: / भारत के बाहर घटित कुछ घटनाओं ने भी भारतीयों को साम्राज्यवादी ताकतों के विरुद्ध उठने के लिए प्रेरित किया। ये थीं:
- The defeat of Italy by Abyssinia (now Ethiopia) in 1896,
  1896 में अबीसीनिया (अब इथियोपिया) द्वारा इटली की हार,
- The defeat of Russia by Japan in 1904-05, and
  1904-05 में जापान द्वारा रूस की हार, और
- Nationalist movements in countries like Egypt, Turkey, and Persia.
  मिस्र, तुर्की और फारस जैसे देशों में राष्ट्रवादी आंदोलन।

Prominent Leader of Extremists

- **Lala Lajpat Rai / लाला लाजपत राय**
  - Known as the Lion of Punjab / पंजाब के शेर के नाम से जाने जाते हैं
  - He found the National School at Lahore under the influence of Arya Samaj
    उन्होंने आर्य समाज के प्रभाव में लाहौर में नेशनल स्कूल की स्थापना की।

Bal Gangadhar Tilak

  - He was also known as Lokamanya Tilak /
    उन्हें लोकमान्य तिलक के नाम से भी जाना जाता था
  - He found the Deccan Education Society and was the co-founder of Fergusson College /
    उन्होंने डेक्कन एजुकेशन सोसाइटी शुरू की और फर्ग्यूसन कॉलेज के को-फ़ाउंडर थे

Prominent Leader of Extremists

- He gave the slogan, "Swaraj is my birthright and I shall have it"
  उन्होंने नारा दिया, "स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूँगा"
- Kesari(Marathi) and Mahratta(English) were the newspapers started by him
  केसरी (मराठी) और मराठा (इंग्लिश) उनके शुरू किए गए अख़बार थे
- He started the All India Home Rule League in 1916 in Maharastra and adjoining areas.
  उन्होंने 1916 में महाराष्ट्र और आसपास के क्षेत्रों में अखिल भारतीय होम रूल लीग की शुरुआत की।
- For the rest part of the country, Anne Besant established her home rule league branches.
  देश के बाकी हिस्सों में एनी बेसेंट ने अपनी होम रूल लीग की शाखाएँ स्थापित कीं।

Bipin Chandra Pal

- He is known as the father of revolutionary thoughts in India
- उन्हें भारत में क्रांतिकारी विचारों के पिता के रूप में जाना जाता है
- Together the above leaders were referred to as the Lal-Bal-Pal triumvirate of assertive nationalists/ ऊपर बताए गए इन नेताओं को मिलाकर लाल–बाल–पाल कहा जाता था, जो आत्मविश्वासी (आक्रामक) राष्ट्रवादियों की तिकड़ी थी।

Aurobindo Ghosh

- He edited an English newspaper called *Bande Mataram* (Founded by Bipin Chandra Pal).

  उन्होंने बिपिन चंद्र पाल द्वारा शुरू किए गए अंग्रेज़ी अख़बार "बंदे मातरम" का संपादन किया।
- Other extremist leaders were *Rajnarayan Bose*, *Ashwin Kumar Dutt* and *V.O. Chidambaram Pillai.* / दूसरे उग्रवादी नेता राजनारायण बोस, अश्विन कुमार दत्त और वी.ओ. चिदंबरम पिल्लई थे।

The Swadeshi and Boycott Movements

Background :

- The movement began as a response to the Partition of Bengal (1905) by Lord Curzon. / यह आंदोलन लॉर्ड कर्जन के बंगाल के बंटवारे (1905) के जवाब में शुरू हुआ था।
- Indians saw the partition as an attempt to divide Bengal on communal lines and weaken nationalism. / भारतीयों ने बंटवारे को बंगाल को सांप्रदायिक आधार पर बांटने और राष्ट्रवाद को कमजोर करने की कोशिश के तौर पर देखा।
- Started in Bengal but soon spread to Punjab, Maharashtra, madras and other regions. / यह बंगाल में शुरू हुआ लेकिन जल्द ही पंजाब, महाराष्ट्र, मद्रास और दूसरे इलाकों में फैल गया।

Meaning of Swadeshi

- Swadeshi = use of Indian – made goods, promote indigenous industries. / स्वदेशी = भारत में बनी चीज़ों का इस्तेमाल, देसी इंडस्ट्रीज़ को बढ़ावा देना।
- Also meant cultural nationalism, economic self-reliance, and national pride. / इसका अर्थ सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, आर्थिक आत्मनिर्भरता और राष्ट्रीय गर्व भी होता था।

Prominent leaders

- Bal Gangadhar Tilak (बाल गंगाधर तिलक)
- Bipin Chandra Pal (बिपिन चंद्र पाल)
- Lala Lajpat Rai (लाला लाजपत राय)
- Aurobindo Ghos (अरविंद घोष)
- Ashwini Kumar Dutta (अश्विनी कुमार दत्ता)
- Rabindranath Tagore (रवींद्रनाथ टैगोर)

Methods used in the Movement

- Boycott of British goods / ब्रिटिश वस्तुओं का बहिष्कार
- Promotion of Swadeshi Goods / स्वदेशी वस्तुओं का प्रचार
- National Education Movement / राष्ट्रीय शिक्षा आंदोलन-
  - establishment of Indian-run schools and colleges: भारतीय-संचालित स्कूलों और कॉलेजों की स्थापना:
  - National Council of Education (1906) / राष्ट्रीय शिक्षा परिषद (1906)
  - Bengal Technical Institute / बंगाल तकनीकी संस्थान
- Passive Resistance : / निष्क्रिय प्रतिरोध:
  - Hartals, strikes, protests / हड़ताल, विरोध प्रदर्शन
  - Judicial and administrative boycotts / न्यायिक और प्रशासनिक बहिष्कार
  - Social boycotts of loyalist Indians / वफादार भारतीयों का सामाजिक बहिष्कार

Spread of the Movement

- **Though strongest in Bengal, it spread to :**
  हालांकि बंगाल में यह सबसे मज़बूत था, लेकिन यह इन जगहों पर भी फैला:

- Punjab (Lala Lajpat Rai) / पंजाब (लाला लाजपत राय)
- Maharashtra (Tilak) / महाराष्ट्र (तिलक)
- Madras (Chidambaram Pillai) / मद्रास (चिदंबरम पिल्लई)
- Assam / असम
- UP / बिहार
- Bihar / बिहार

Achievements

- First mass-based nationalist movement
  पहला जन-आधारित राष्ट्रवादी आंदोलन
- Boosted Indian industries and self-reliance
  भारतीय उद्योगों और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दिया
- Strengthened unity and national identity
  एकता और राष्ट्रीय पहचान को मज़बूत किया

End of the Movement

- Repression by British authorities / ब्रिटिश अधिकारियों का दमन
- Internal split (Moderates Vs Extremist) at Surat, 1907
  सूरत में अंदरूनी फूट (नरमपंथी बनाम चरमपंथी), 1907
- Leaders imprisoned or exiled / नेताओं को कैद या देश निकाला
- Partition of Bengal annulled in 1911, reducing immediate anger.
  1911 में बंगाल का बंटवारा रद्द कर दिया गया, जिससे तुरंत गुस्सा कम हो गया।

SURAT SPLIT 1907

Surat Split – 1907

Lead by Ras Bihari Ghose

Immediate reason for the split :

- Extremists preferred Nagpur for the Indian National Congress Session of 1907, but it was changed from Nagpur to Surat, the preferred place for the moderates. / चरमपंथी ने 1907 के भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस सत्र के लिए नागपुर को चुना था, लेकिन इसे नागपुर से बदलकर सूरत कर दिया गया, जो नरमपंथियों के लिए बेहतर जगह थी।
- Moderates also made an effort to oust Lala Lajpat Rai as Congress president and replace Rash Bihari Ghosh in his place. / नरमपंथियों ने लाला लाजपत राय को कांग्रेस अध्यक्ष पद से हटाने और उनकी जगह रास बिहारी घोष को लाने का भी प्रयास किया।
- Extremists, enraged at the moves of the congress, decided to confront the moderates at the Surat summit. / कांग्रेस के कदमों से क्रोधित चरमपंथियों ने सूरत शिखर सम्मेलन में नरमपंथियों का सामना करने का फैसला किया।

Surat Session (December 1907)

- The moment the session began, extremist tried to protest the election of Rash Behari Ghosh. / सत्र शुरू होते ही, चरमपंथियों ने रास बिहारी घोष के निर्वाचन का विरोध करने का प्रयास किया।

- Both groups shouted slogans; chairs and shoes were thrown.
  दोनों समूहों ने नारे लगाए; कुर्सियां और जूते फेंके गए।

नरम
G.K. Gokhale

गरम
Lal, Bal, Pal

- Sessions broke into physical chaos. / सेशन में अफ़रा-तफ़री मच गई।
- Congress adjourned without any resolution.
  कांग्रेस बिना किसी प्रस्ताव के खत्म हो गई।
- The next morning, British- backed Moderates expelled Extremists from INC. / अगली सुबह, ब्रिटिश-समर्थित नरमपंथियों ने INC से चरमपंथियों को निष्कासित कर दिया।